STUDY IQ IAS

# हिंदी साहित्य

## (2026- 2027)

# सितम्बर बैच

Live कक्षाएं और टेस्ट सीरीज़

25 सितम्बर 2025 01:00 PM

# यू पी एस सी सी एस ई में वैकल्पिक विषय क्यों महत्वपूर्ण है?

"UPSC CSE मुख्य परीक्षा में सही वैकल्पिक विषय का चयन आपकी सफलता की संभावनाओं को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। यह एक अत्यंत रणनीतिक निर्णय होता है, जो आपके शैक्षणिक पृष्ठभूमि, रुचि, क्षमता, संसाधनों की उपलब्धता और सामान्य अध्ययन (GS) पत्रों से सामंजस्य जैसे कई कारकों पर आधारित होना चाहिए। नीचे आपके द्वारा उल्लेखित प्रत्येक विषय का — अंग्रेज़ी और हिंदी माध्यम दोनों में — विस्तृत मूल्यांकन दिया गया है ताकि आप एक सूचित निर्णय ले सकें।"UPSC CSE मुख्य परीक्षा में सही वैकल्पिक विषय का चयन आपकी सफलता की संभावनाओं को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। यह एक अत्यंत रणनीतिक निर्णय होता है, जो आपके शैक्षणिक पृष्ठभूमि, रुचि, क्षमता, संसाधनों की उपलब्धता और सामान्य अध्ययन (GS) पत्रों से सामंजस्य जैसे कई कारकों पर आधारित होना चाहिए। नीचे आपके द्वारा उल्लेखित प्रत्येक विषय का — अंग्रेज़ी और हिंदी माध्यम दोनों में — विस्तृत मूल्यांकन दिया गया है ताकि आप एक सूचित निर्णय ले सकें।

# वैकल्पिक विषय

## यू पी एस सी मुख्य परीक्षा में छिपी हुई शक्ति

### 500 अंक दांव पर

मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय के 1750 में से 500 अंक होते हैं। यहां अच्छा स्कोर आपकी अंतिम रैंक को पूरी तरह बदल सकता है।

### वास्तविक अंतर बनाने वाला कारक

जहाँ सामान्य अध्ययन (GS) के पेपर सभी के लिए समान स्तर बनाते हैं, वहीं वैकल्पिक विषय अंतर पैदा करता है। कई टॉपर्स अपनी रैंक का श्रेय उत्कृष्ट वैकल्पिक स्कोर को देते हैं।

### रणनीति के साथ अंक प्राप्त करना

वैकल्पिक विषय, अपने स्पष्ट पाठ्यक्रम और कम प्रतिस्पर्धा के कारण, स्मार्ट तरीके से तैयारी करने पर सामान्य अध्ययन (GS) से कहीं अधिक अंक लाने का अवसर देते हैं।

### विषय की समझ फायदेमंद साबित होती है

आपकी रुचि या शैक्षणिक पृष्ठभूमि से मेल खाने वाला वैकल्पिक विषय चुनने से तैयारी आसान होती है और उत्तर अधिक प्रभावशाली बनते हैं।

### अतिव्यापन = स्मार्ट तैयारी

भूगोल, PSIR और समाजशास्त्र जैसे विषयों की सामग्री GS, निबंध और साक्षात्कार से मेल खाती है, जिससे एक ही तैयारी से अनेक लाभ मिलते हैं।

**76-4000-3000**

# हिंदी साहित्य की विशेषताओं का अन्वेषण

## UPSC में सबसे लोकप्रिय और अंकदायी विषयों में से एक

हर साल सैकड़ों अभ्यर्थी इसे चुनते हैं और अच्छे अंक प्राप्त करते हैं।

1

## पूर्व-परिचय और आत्मीयता

2

अधिकांश छात्रों ने कक्षा 10 तक हिंदी पढ़ी होती है। कबीर, तुलसी, सूर, निराला, पंत, प्रसाद, दिनकर, प्रेमचंद जैसे रचनाकारों से पहले से ही परिचय होता है।

## पूर्वानुमेय प्रश्न

कुछ विषय-क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ से प्रश्न आने की लगभग 100% गारंटी होती है, जिससे तैयारी अधिक लक्ष्य आधारित होती है।

3

## सभी माध्यमों के लिए उपयुक्त

4

हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यम के अभ्यर्थियों द्वारा समान रूप से पसंद किया जाने वाला विषय।

## न करेंट अफेयर्स, न बार-बार अपडेट की ज़रूरत

हिंदी साहित्य स्थायी प्रकृति का विषय है, जिससे तैयारी स्थिर, गहराईपूर्ण और सुव्यवस्थित बनती है।

5

76-4000-3000

# StudyIQ की पेशकश

### लाइव कक्षाएँ
इस कार्यक्रम की मूल विशेषता लाइव कक्षाएँ हैं। StudyIQ अपने विशेषज्ञ शिक्षकों के माध्यम से प्रत्येक सप्ताह सोमवार से शनिवार तक लाइव कक्षाओं का संचालन करेगा।

### लाइव डाउट क्लियरिंग सत्र
लाइव डाउट क्लियरिंग सत्र, जहाँ छात्र सीधे प्रशिक्षकों या विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछकर अपने संदेह स्पष्ट कर सकते हैं। ये सत्र हमारे कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

### रिकॉर्डेड कक्षाओं की सुविधा
हर लाइव क्लास के बाद रिकॉर्डेड क्लास उपलब्ध कराई जाएगी। अपने समय के अनुसार सीखें – यह सुविधा विशेष रूप से कामकाजी पेशेवरों या व्यस्त दिनचर्या वाले छात्रों के लिए आदर्श है।

### हस्तलिखित क्लास नोट्स
प्रत्येक कक्षा से पहले आपको उस विषय का सार (CRUX) के रूप में क्लास नोट्स प्रदान किए जाएंगे। कक्षा के बाद, उस लेक्चर की PPT स्लाइड्स/बोर्ड नोट्स और हस्तलिखित नोट्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

### पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र
वैकल्पिक परीक्षा में पिछले वर्षों में आए हुए वास्तविक प्रश्न उपलब्ध कराए जाएंगे।
यह आपकी कमजोरियों की पहचान करने में सहायक होगा।

### करेंट अफेयर्स की विशेष कक्षाएँ
समसामयिक घटनाओं की समझ आपके ज्ञान को संदर्भ और गहराई प्रदान करती है। वैकल्पिक विषय से संबंधित सभी करेंट अफेयर्स को कोर्स में शामिल किया जाएगा।

### मेंस उत्तर लेखन अभ्यास
पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्तर लेखन अभ्यास (मेंस) कराया जाएगा, जिसमें मूल्यांकन भी शामिल होगा।

### वन-टू-वन मेंटरशिप सुविधा
आपकी पूरी तैयारी यात्रा के दौरान, हमारे मेंटर्स आपकी प्रगति पर नज़र रखेंगे और आपको शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। आपका मेंटर एक मित्र, मार्गदर्शक और दार्शनिक की भूमिका निभाएगा, ताकि आपको व्यक्तिगत सहायता हर चरण पर मिलती रहे।

### मेंस टेस्ट सीरीज़
कार्यक्रम के दौरान साप्ताहिक मेंस उत्तर लेखन अभ्यास आयोजित किया जाएगा।.

### साप्ताहिक डाउट क्लियरिंग सत्र
साप्ताहिक डाउट क्लियरिंग सत्र, जहाँ छात्र सीधे प्रशिक्षकों या विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछकर अपने संदेह स्पष्ट कर सकते हैं। ये सत्र हमारे कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

# वैकल्पिक विषय पैकेज की तुलना

| विशेषताएँ | गोल्ड | प्लैटिनम |
|---|---|---|
| 5 महीनों की अवधि में फैली हुई 400+ घंटे की लाइव कक्षाएँ। | ✓ | ✓ |
| फैकल्टी के साथ लाइव डाउट क्लियरिंग सत्र | ✓ | ✓ |
| रिकॉर्डेड व्याख्यान, हस्तलिखित नोट्स एवं क्रक्स (सारांश) | ✓ | ✓ |
| प्रत्येक विषय का समग्र कवरेज, पूर्व वर्षों के प्रश्नों की चर्चा सहित | ✓ | ✓ |
| अभ्यर्थियों को अद्यतित रखने हेतु समसामयिक घटनाओं की व्यापक कवरेज | ✓ | ✓ |
| नियमित उत्तर लेखन सत्र, मूल्यांकन सहित | ✗ | ✓ |
| 24x7 वन-टू-वन मेंटरशिप सुविधा | ✗ | ✓ |
| मेंस टेस्ट सीरीज़ (सेक्शनल एवं पूर्ण लंबाई के टेस्ट) | ✗ | ✓ |
| वैकल्पिक ज्ञान भंडार | ✗ | ✓ |
| साप्ताहिक डाउट क्लियरिंग सत्र, फैकल्टी के साथ | ✗ | ✓ |
| वैधता अवधि | 18 महीने | 30 महीने |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय |
|---|---|
| 25 सितम्बर | ओरिएंटेशन |
| 25 सितम्बर | तुलसीदास: रामचरितमानस (सुंदर कांड), कवितावली (उत्तर कांड); जायसी: पद्मावत (रसशैलीप खंड, नागमती वियोग खंड); बिहारी: बिहारी रचनाकृत (आरंभक 100 दोहे) |
| 5 अक्टूबर | आधुनिक कवि: मैथलीशरण गुप्त (भारत–भारती); जयशंकर प्रसाद (कामायनी – चित्रिका व श्रावण सागर); सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (राग–राग) |
| 17 अक्टूबर | आधुनिक कवि: रामधारी सिंह 'दिनकर' (कुरुक्षेत्र); अज्ञेय (आंगन के पार चार – असावर्णी); मुंशी बोध (ब्रह्मराक्षस); नागाजुर्न (बादल को घिरते देखा है; अकाल और उसके बाद; हरिजन गाथा) |
| 2 नवंबर | प्रमुख कवि: मैथलीशरण गुप्त; जयशंकर प्रसाद; सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'; महादेवी वर्मा; रामधारी सिंह 'दिनकर'; सच्चिदानंद हीरानंद वाग्मयी 'अज्ञेय'; गजानन माधव मुंशीबोध; नागाजुर्न |
| 11 नवंबर | प्रारंभिक हिंदी: अपभ्रंश, अवहटी, प्रारंभिक हिंदी का व्याकरणिक एवं अनुप्रयुक्त रूप |
| 21 नवंबर | मध्यकालीन हिंदी: ब्रज एवं अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास; संत, खुसरो, रहीम आदि; खड़ी बोली का प्रारंभिक रूप |
| 2 दिसंबर | आधुनिक हिंदी: उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली का विकास; स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंदी का राजभाषा स्वरूप; भारतीय संघ की राजभाषा; हिंदी की प्रमुख बोलियाँ; वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास; मानक हिंदी; नागरी लिपि का मानकीकरण |
| 8 दिसंबर | नाटक एवं रंगमंच: हिंदी नाटक का उद्भव व विकास; प्रमुख नाटककार: भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश; हिंदी रंगमंच का विकास |
| 15 दिसंबर | कथा साहित्य: उपन्यास व यथार्थवाद; हिंदी उपन्यास का उद्भव व विकास; प्रमुख उपन्यासकार: प्रेमचंद, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, मन्नू भंडारी; हिंदी कहानी का उद्भव व विकास; प्रमुख कहानीकार: प्रेमचंद, 'अज्ञेय', मोहन राकेश, कृणा सोबती |

# समय सारणी

| दिनांक | विषय |
|---|---|
| 24 दिसंबर | हिंदी उपन्यास: गोदान (प्रेमचंद); दहिया (यशपाल); मैला आंचल (फणीश्वरनाथ रेणु); महाभोज (मन्नू भंडारी) |
| 29 दिसंबर | हिंदी नाटक , भारतेन्दु : भारत दुर्दशा , मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन , जयशंकर प्रसाद : स्कंदगुप्त |
| 6 जनवरी | आलोचना: हिंदी आलोचना का उद्भव व विकास (सांकेतिक, व्यवहारिक, प्रगतिवादी, मनोवैज्ञानिक, नई समीक्षा); प्रमुख आलोचक: रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नागेन्द्र |
| 14 जनवरी | हिंदी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत |
| 23 जनवरी | हिंदी कहानी: प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ; राजेन्द्र यादव (एक दुनिया समानांतर) |
| 29 जनवरी | हिंदी निबंध: रामचंद्र शुक्ल – 'चित्र ताम्रण: कविता क्या है?/श्रावण-भ्रमण'; निबंध संकलन (संपादक: डॉ. संजय) |
| 5 फ़रवरी | अंतिम सत्र – समापन एवं पुनरावलोकन |
| 13 फ़रवरी | आदिकाल:, भौतिकाल:, आधुनिक काल:, रीतिकाल: (साहित्यिक धारा एवं प्रमुख कवि विवरण) |
| 25 फ़रवरी | भक्तिकाल – संत काव्य धारा, सूफी काव्य धारा, कृत्त काव्य धारा, राम काव्य धारा; प्रमुख कवि: कबीर, जायसी, सूर, तुलसी |
| 4 मार्च | रीतिकाल: – रीतिकाल, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य; प्रमुख कवि: केशव, बिहारी, पदमाकर, घनानंद |
| 12 मार्च | हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन; हिंदी साहित्य की प्रासंगिकता एवं महत्व; इतिहास लेखन की परंपरा |
| 25 मार्च | आधुनिक काल: – नवजागरण, गद्य का विकास, भारतीय उपमहाद्वीप; प्रमुख लेखक: भारतेन्दु, बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायण मिश्र; आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ |
| 7 अप्रैल | कबीर: कबीर ग्रंथावली (आरंभक 100 पद); सूरदास: भ्रमरगीत सार (आरंभक 100 पद); |

# हमारे शिक्षकगण

## विकास सिंह

### हिंदी साहित्य | यूपीएससी मार्गदर्शक

- परमाणु भौतिकी में परास्नातक और समर्पित UPSC शिक्षक, विकास सिंह को हिंदी साहित्य, भूगोल और राजव्यवस्था जैसे विषयों में 7 वर्षों से अधिक का शिक्षण अनुभव है।
- उन्होंने 3 बार UPSC CSE साक्षात्कार, 1 CAPF, 2 Geo-Scientist, और 5 राज्य PCS इंटरव्यू में सम्मिलित होकर परीक्षा प्रक्रिया की गहरी समझ अर्जित की है।
- अब तक उन्होंने 8000+ अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन किया है और 50+ राज्य PCS चयन में निर्णायक भूमिका निभाई है।
- **मुख्य शिक्षण विषय:**
  - हिंदी साहित्य
  - भारतीय राजव्यवस्था एवं शासन प्रणाली
  - प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा हेतु भूगोल
- वे विशेष रूप से अपनी ठोस विषयवस्तु स्पष्टता, मूल अवधारणाओं पर पकड़, और उत्तर लेखन, विश्लेषणात्मक सोच व स्मरण तकनीकों को मजबूत करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं — जो UPSC जैसी परीक्षाओं में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

76-4000-3000

# कोर्स शुल्क

शुल्क: ~~₹30,999~~

**₹15,999**

गोल्ड

शुल्क: ~~₹42,999~~

**₹20,999**

प्लैटिनम

# निदेशक की कलम से

सिविल सेवा के प्रिय अभ्यर्थियों,

StudyIQ IAS में, हम जानते हैं कि सिविल सेवा अधिकारी बनने की यात्रा केवल अध्ययन तक सीमित नहीं है, यह सपनों, संघर्षों और अटूट समर्पण की कहानी है। हमने हजारों अभ्यर्थियों के साथ इस राह को तय किया है, उनकी चुनौतियों से सीखा है, उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को विकसित किया है और उनकी सफलताओं का जश्न मनाया है। आज, हमारे अब तक के सबसे व्यापक और समावेशी कार्यक्रम, फाउंडेशन बैच के साथ - हम आपकी इस यात्रा में अपने योगदान को और सशक्त बनाने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं।

यह केवल एक और कोर्स नहीं है, बल्कि एक गेम-चेंजर है। चाहे आप अपनी तैयारी की शुरुआत कर रहे हों या अपनी रणनीति को और निखारना चाहते हों, फाउंडेशन बैच आपको हर वह संसाधन प्रदान करेगा जिसकी आपको आवश्यकता है - लाइव एवं रिकॉर्डेड लेक्चर्स, हस्तलिखित नोट्स, व्यवस्थित टेस्ट सीरीज़, दैनिक क्विज़, उत्तर लेखन अभ्यास, साक्षात्कार मार्गदर्शन और वन-टू-वन मेंटरशिप - यह सब एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान किए जाएँगे। हम मानते हैं कि आर्थिक सीमाएँ किसी भी सपने को रोक नहीं सकतीं, इसलिए हमने इसे किफायती बनाया है। साथ ही, जो अभ्यर्थी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे, उन्हें सम्पूर्ण शुल्क वापस किया जाएगा और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को ₹11,000 तक का इनाम दिया जाएगा।

यह बैच केवल एक कोर्स नहीं, बल्कि एक वादा है - एक ऐसा वादा कि यूपीएससी की इस कठिन यात्रा में आप कभी अकेले महसूस नहीं करेंगे। आपको सर्वोत्तम संसाधन, निरंतर मार्गदर्शन और हर कदम पर सहयोग मिलेगा। यह आपका समय है, आपका क्षण है - उठने का, जीतने का और अपने सपने को हकीकत में बदलने का।

**आज ही फाउंडेशन बैच में शामिल हों और आत्मविश्वास के साथ अपने आईएएस सपने की ओर पहला कदम बढ़ाएँ!**

शुभकामनाओं सहित
निदेशक